askIITians
ENGINEERING | MEDICAL | FOUNDATION

**C.B.S.E Board**

**कक्षा : 10**

**हिंदी B - 2017**

**संकलित परीक्षा II**

**[Summative Assessment II]**

**समय : 3 घंटे** **पूर्णांक : 90**

**निर्देश**

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग, और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

**खण्ड क**

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×6=12

प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती। इसके आगे समस्याएँ बौनी हैं। लेकिन समस्या एक प्रतिभा को ख़ुद दूसरी प्रतिभा से होती है। बहुमुखी प्रतिभा का होना, अपने भीतर एक प्रतिभा के बजाय दूसरी प्रतिभा को खड़ा करना है। इससे हमारा नुकसान होता है। कितना और कैसे?

मन की दुनिया की एक विशेषज्ञ कहती हैं कि बहुमुखी होना आसान है, बजाय एक ख़ास विषय के विशेषज्ञ होने की तुलना में। बहुमुखी लोग स्पर्धा होने से घबराते हैं। कई विषयों पर उनकी पकड़ इसलिए होती है कि वे एक में स्पर्धा होने पर दूसरे की ओर भागते हैं। बहुमुखी लोगों में सबसे महान् माने जाने वाले माइकल एंजेलो से लेकर अपने यहाँ रवींद्रनाथ टैगोर जैसे कई लोग। लेकिन आज ऐसे लोगों की पूछ-परख कम होती है। ऐसे लोग प्रतिभाशाली आज भी माने जाते हैं, लेकिन असफल होने की आशंका उनके लिए अधिक होती है। आज वे लोग 'विंची सिंड्रोम' से पीड़ित माने जाते हैं,

जिनकी पकड़ दो-तीन या इससे ज़्यादा क्षेत्रों में हो, लेकिन हर क्षेत्र में उनसे बेहतर उम्मीद्वार मौजूद हों।

बहुमुखी प्रतिभा वाले लोगों के भीतर कई कामों को साकार करने की इच्छा बहुत तीव्र होती है। उनकी उत्सुकता उन्हें एक दूसरे क्षेत्र में हाथ आज़माने को बाध्य करती है। समस्या तब होती है, जब यह हाथ आज़माना दख़ल करने जैसा हो जाता है। वे न इधर के रह जाते हैं, और न उधर के। प्रबंधन की दुनिया में - 'एक के साधे सब सधे, सब साधे सब जाए' का मंत्र ही शुरू से प्रभावी है। यहाँ उस पर ज़्यादा फोकस नहीं किया जाता, जो सारे अंडे एक टोकरी में न रखने की बात करता है। हम दूसरे क्षेत्रों में हाथ आज़मा सकते हैं, पर एक क्षेत्र के महारथी होने में ब्रेकर की भूमिका न अदा करें।

(क) बहुमुखी प्रतिभा क्या है? प्रतिभा से समस्या कब, कैसे हो जाती है?

उत्तर : एक ही व्यक्ति में अनेक गुणों का होना बहुमुखी प्रतिभा कहलाती है। बहुमुखी प्रतिभा वालों को कई कामों को पूरा करने की इच्छा होती है और यही उनकी समस्या भी बन जाती है क्योंकि कभी-कभी एक दूसरे क्षेत्र में हाथ आजमाना दूसरे के काम में दखल देना जैसा हो जाता है।

(ख) बहुमुखी प्रतिभा वालों की किन कमियों की ओर संकेत है?

उत्तर : बहुमुखी लोग स्पर्धा, असफलता और आलोचना से घबराते है ।

(ग) बहुमुखी प्रतिभागियों की पकड़ किन क्षेत्रों में होती है और उनकी असफलता की संभावना क्यों है?

उत्तर : बहुमुखी प्रतिभागियों की पकड़ कई क्षेत्रों में होती है। उनकी असफलता की संभावना इसलिए होती क्योंकि वे एक चीज पूरी होने से पहले ही दूसरी की ओर भागने लगते हैं।

(घ) ऐसे लोगों का स्वभाव कैसा होता है और वे प्राय: सफल क्यों नहीं हो पाते?

उत्तर : बहुमुखी प्रतिभा वाले लोगों के भीतर कई कामों को साकार करने की इच्छा बहुत तीव्र होती है। उनकी उत्सुकता उन्हें एक से दूसरे क्षेत्र में हाथ आज़माने को बाध्य करती है। वे एक चीज पूरी होने से पहले ही दूसरी की ओर भागने लगते हैं इसलिए वे प्रायः सफल नहीं होते ।

(ङ) प्रबंधन के क्षेत्र में कैसे लोगों आवश्यकता होती है? क्यों?

उत्तर : प्रबंधन के क्षेत्र में बहुमुखी प्रतिभा वाले लोगों की आवश्यकता होती है, क्योंकि प्रबंधन के क्षेत्र में कई काम एक साथ संभालने होते है ।

(च) आशय स्पष्ट कीजिए :

"प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती।"

उत्तर : प्रस्तुत पंक्ति का आशय प्रतिभाशाली व्यक्तियों की राह में आने वाली अड़चनों से है।

प्र. 2. निम्लिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×4=8

भारतमाता
ग्राम-वासिनी !
खेतों में फैला है श्यामल
धूल भरा मैला-सा अंचल
गंगा-यमुना में आँसू-जल
मिट्टी की प्रतिमा
उदासिनी !
दैन्य-जड़ित, अपलक नत चितवन,

अधरों में चिर नीरव रोदन,
युग-युग के तम से, विषण्ण मन,
वह अपने घर में
प्रवासिनी !
तीस कोटि सन्तान नग्न तन
अर्ध-क्षिधित, शोषित, निरस्त्र जन
मूढ़, असभ्य, अशिक्षित, निर्धन,
नत मस्तक: तरु-तल
निवासिनी !

(क) भारतमाता को ग्राम-वासिनी क्यों कहा गया है?
उत्तर : भारतमाता को ग्राम-वासिनी इसलिए कहा गया है क्योंकि इसके बड़े हिस्से में गाँव और खेत खलियान है।

(ख) काव्यांश में प्रवासिनी किसके लिए आया है और क्यों?
उत्तर : भारतमाता की संतान को प्रवासिनी कहा गया है क्योंकि युगों-युगों से वह अपने ही घर में यानि के देश में प्रवासिनी की तरह सुख-सुविधाओं से वंचित जीवन बीता रही है।

(ग) भारतमाता की संतान के बारे में कवि ने क्या कहा है?
उत्तर : भारतमाता की संतान दुखों, कष्टों, सुख-सुविधाविहीन प्रवासिनी की तरह जीवन को बिताना पड़ रहा है इसलिए वह अत्यंत दुखी है।

(घ) काव्यांश का केंद्रीय भाव लिखिए।
उत्तर : इस काव्यांश भारत के ग्रामीण समाज का चित्रण किया गया है, भारत के ग्रामीण समाज के दुखों, कष्टों और गाँव के लोगों के सुख-सुविधाविहीन जीवन और दयनीय स्थिति को प्रकट किया गया है ।

**खण्ड ख**

प्र 3. पद किसे कहते हैं? उदहारण देकर स्पष्ट कीजिए। 1 + 1 = 2

उत्तर : वाक्य में प्रयुक्त शब्द पद कहलाते हैं।

जैसे - हिमालय भारत का प्रहरी है।

यहाँ 'हिमालय' एक पद है।

प्र 4. निर्देशानुसार वाक्य रूपांतरण परिवर्तन कीजिये : 1 X 3 = 3

(क) कर्म करने वाले को फल की इच्छा नहीं करनी चाहिए।

(मिश्र वाक्य में)

उत्तर : जो कर्म करते हैं, उन्हें फल की चिंता नहीं करनी चाहिए।

(ख) जो विद्वान और सत्यवादी है उनका सर्वत्र सम्मान होता है।

(सरल वाक्य में)

उत्तर : विद्वान और सत्यवादी का सर्वत्र सम्मान होता है।

(ग) आकाश में बादल छाते ही घनघोर वर्षा होने लगी।

(संयुक्त वाक्य में)

उत्तर : आकाश में घनघोर बादल छाए और वर्षा होने लगी।

प्र 5. (क) निम्नलिखित शब्दों का समास-विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए : 1 + 1 = 2

(i)महाजन

उत्तर : समास विग्रह - महा है जो जन

समास - कर्मधारय समास

(ii)जलप्रदूषण

उत्तर : समास विग्रह - जल का प्रदूषण

समास - तत्पुरुष समास

(ख) निम्नलिखित शब्दों को समस्त-पद बनाकर समास का नाम लिखिए : 1 +1 = 2

(i) नीला है जो गगन

उत्तर : समस्त पद - नील गगन

समास - कर्मधारय समास

(ii) आस और पास

उत्तर : समस्त पद - आसपास

समास - द्वंद्व समास

प्र 6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए : 1 x 4 = 4

(क) यहाँ पर कल एक लड़का और लड़की बैठी थी।

उत्तर : यहाँ पर कल एक लड़का और लड़की बैठे थे।

(ख) मुझे केवल मात्र अपना अधिकार चाहिए।

उत्तर : मुझे केवल अपना अधिकार चाहिए।

(ग) इस विद्यालय का परीक्षा परिणाम अच्छी है।

उत्तर : इस विद्यालय का परीक्षा परिणाम अच्छा है।

(घ) मास्टर जी ने उसकी बड़ी प्रशंसा करी।

उत्तर : मास्टर जी ने उसकी बड़ी प्रशंसा की।

प्र 7. निम्नलिखित मुहावरों का प्रयोग इस प्रकार कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए : 1+1 = 2

बाट जोहना, सुध-बुध खोना

उत्तर : बाट जोहना - कई दिनों से हम विदेश से पिताजी की आने की खबर की बाट जोह रहे थे।

सुध-बुध खोना - नन्हें-नन्हें बच्चों के अद्भुत् प्रदर्शन को देखकर दर्शक अपनी सुध-बुध खो बैठे।

प्र 8. निम्लिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+1=5

असल में दोनों काल मिथ्या हैं। एक चल गया है, दूसरा आया नहीं है। हमारे सामने जो वर्तमान क्षण है, वही सत्य है। उसी में जीना चाहिए। चाय पीते-पीते उस दिन मेरे दिमाग़ से भूत और भविष्य दोनों काल उड़ गए थे। केवल वर्तमान क्षण सामने था। और वह अनंत काल जितना विस्तृत था।

(क) गद्यांश में किन दो कालों के बारे में बात की गई है और उनकी क्या विशेषता है?

उत्तर : गद्यांश में भूतकाल और भविष्यकाल की बात की गई है। लेखक के अनुसार भूतकाल बीत चुका होता है इसलिए मिथ्या है ,। भविष्य आया नहीं इसलिए मिथ्या है।

(ख) लेखक ने किस काल को सत्य माना है और क्यों?

उत्तर : लेखक ने वर्तमानकाल को सत्य माना है क्योंकि वर्तमान में जीने से भूत और भविष्यकाल से जुड़ी सारी चिन्ताएँ मिट जाती है और परम शांति तथा जीवन का अनुभव होता है ।

(ग) गद्यांश से लेखक क्या समझाना चाहता है?

उत्तर : प्रस्तुत गद्यांश से लेखक समझाना चाहते है कि हमें वर्तमान में जीना चाहिए। भूतकाल बीत चुका होता है इसलिए मिथ्या है। भविष्य आया नहीं इसलिए मिथ्या है। इसलिए हमें इसके बारे में सोचकर अपना अनमोल समय व्यर्थ नहीं करना चाहिए।

askIITians

प्र. 9. जापान में मानसिक रोग के क्या कारण बताए गए हैं? उससे होने वाले प्रभाव का उल्लेख करते हुए लिखिए कि इसमें 'टी सेरेमनी' की क्या उपयोगिता है। 5

उत्तर : जापान में मानसिक रोग का मुख्य कारण अमेरिका से आर्थिक प्रतिस्पर्धा को बताया। जिसके परिणामस्वरूप देश के लोग एक महीने का काम एक दिन में करने का प्रयास करते हैं इस कारण वे शारीरिक व मानसिक रूप से बीमार रहने लगे हैं। लेखक के ये विचार सत्य हैं क्योंकि शरीर और मन मशीन की तरह कार्य नहीं कर सकते और यदि उन्हें ऐसा करने के लिए विवश किया तो मानसिक संतुलन बिगड़ जाना स्वाभाविक है।

ऐसे में टी सेरेमनी जापानियों को भाग दौड़ से भरी जिन्दगी से दूर कुछ पल अकेले बिताने का मौका देती है और साथ ही जहाँ इंसान न भूतकाल और भविष्यकाल की चिंता से मुक्त हो कर वर्तमान में जी पाए। इसलिए टी सेरेमनी में केवल तीन ही लोगों को प्रवेश दिया जाता है। इसका कारण यह है की अधिक आदमियों के आने से शांति के स्थान पर अशांति का माहौल बन जाता है।

प्र. 10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) शेख अयाज़ के पिता भोजन छोड़कर क्यों उठ खड़े हुए? 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए।

उत्तर : शेख अयाज के पिता अपने बाजू पर काला च्योंटा रेंगता देख भोजन छोड़ कर उस च्योंटे को कुएँ पर छोड़ने के लिए उठ खड़े हुए क्योंकि उनके अनुसार उन्होंने उस च्योंटे को घर से बेघर कर दिया था अत: बिना समय गवाँए वे उस च्योंटे को उसके घर अर्थात् कुएँ पर छोड़ आते हैं ।

(ख) शुद्ध आदर्श की तुलना सोने से और व्यावहारिकता की तुलना ताँबे से क्यों की गई है? 'पतझर में टूटी पतियाँ' पाठ के आधार पर लिखिए।

उत्तर: शुद्ध सोने में किसी प्रकार की मिलावट नहीं की जा सकती। ताँबे से सोना मजबूत हो जाता है परन्तु शुद्धता समाप्त हो जाती है। इसी प्रकार व्यवहारिकता में शुद्ध आदर्श समाप्त हो जाते हैं। परन्तु जीवन में आदर्श के साथ व्यावाहारिकता भी आवश्यक है, क्योंकि व्यावाहारिकता के समावेश से आदर्श सुन्दर व मजबूत हो जाते हैं।

(क) 'कारतूस' पाठ में सआदत अली को किस प्रकार का व्यक्ति बताया गया है?

उत्तर : सआदत अली वज़ीर अली का चाचा और नवाब आसिफउदौला का भाई था। जब तक आसिफउदौला के कोई सन्तान नहीं थी,सआदत अली की नवाब बनने की पूरी सम्भावना थी। इसलिए जब उसे वज़ीर अली की पैदाइश हुई तो उन्हें वे खतरा लगने लगे। सआदत अली आराम पसंद अंग्रेज़ों का पिट्ठू था। उसने अंग्रेज़ों को आधी सम्पत्ति और दस लाख रूपये दिए।

प्र. 11. (क) सच्चे मन में 'ईश्वर बसते हैं' इस भाव के संदर्भ में बिहारी के दोहे का भाव स्पष्ट कीजिए। 2

उत्तर : बिहारी जी के अनुसार भक्ति का सच्चा रूप हृदय की सच्चाई में निहित है।बिहारी जी ईश्वर प्राप्ति के लिए धर्म कर्मकांड को दिखावा समझते थे।माला जपने, छापे लगवाना, माथे पर तिलक लगवाने से प्रभु नहीं मिलते। जो इन व्यर्थ के आडंबरों में भटकते रहते हैं वे झूठा प्रदर्शन करके दुनिया को धोखा दे सकते हैं,परन्तु भगवान राम तो सच्चे मन की भक्ति से ही प्रसन्न होते हैं।

(ख) 'मनुष्यता' कविता में कवि ने सबको एक होकर चलने की प्रेरणा क्यों दी है? 2

उत्तर : कवि ने सबको एक होकर चलने की प्रेरणा इसलिए दी है, क्योंकि एकता में बल होता है। मैत्री भाव से आपस में मिलकर रहने से सभी कार्य सफल होते हैं, ऊँचनीच-, वर्ग भेद नहीं रहता।सभी एक पिता परमेश्वर की संतान हैं।अतःसब एक हैं।इसलिए सभी को प्रेम भाव से रहना चाहिए, सहायता करनी चाहिए,एक होकर चलना चाहिए।

(ग) 'आत्मत्राण' कविता में कोई सहायक न मिलने पर कवि की क्या प्रार्थना है? 1

उत्तर : विपरीत परिस्थितियों के समय सहायक के न मिलने पर कवि ईश्वर से प्रार्थना करता है कि उसका बल पौरुष न हिले, वह सदा बना रहे और कोई भी कष्ट वह धैर्य से सह ले।

प्र. 12. 'कर चले हम फ़िदा' - कविता की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए उसका प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर: प्रस्तुत काव्य युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी फिल्म हकीकत के लिए लिखा गया था।कवि इसमें देशभक्ति को विकसित करके देश को जागरुक करना चाहता है।यह गीत सन् 1962 के भारतचीन युद्ध की ऐतिहासिक - पृष्ठभूमि पर लिखा गया है।चीन ने तिब्बत की ओर से आक्रमण किया और भारतीय वीरों ने इस आक्रमण का मुकाबला वीरता से किया।अपने देश के सम्मान और रक्षा के लिए सैनिक हर चुनौतियों को स्वीकार करके अपने जीवन का बलिदान करने के लिए तैयार रहते हैं। अपनी अंतिम साँस तक देश के मान की रक्षा कर उसे शत्रुओं से बचाते हैं।

askIITians
ENGINEERING | MEDICAL | FOUNDATION

प्र. 13. पढ़ाई में तेज़ होने पर भी कक्षा में दो बार फेल हो जाने पर टोपी के साथ घर पर या विद्यालय में जो व्यवहार हुआ उस पर मानवीय-मूल्यों की दृष्टि से टिप्पणी कीजिए। 5

उत्तर : एक ही कक्षा में दोदो बार बैठने से टोपी को कई भावनात्मक - चुनौतियों का सामना करना पड़ा जैसे वह अध्यापकों की हँसी का पात्र होता क्योंकि कमजोर लड़कों के रूप में अध्यापक उसका ही उदाहारण देते थे। फेल होने के कारण उसके कोई नए मित्र भी नहीं बन पाए। मास्टर उसकी किसी भी बात पर ध्यान ही नहीं देते थे वह किसी से शर्म के मारे खुलकर बातें नहीं कर पाता था। बच्चे फ़ेल होने पर भावनात्मक रूप से आहत होते हैं और मानसिक रूप से परेशान रहने लगते हैं। वे शर्म महसूस करते हैं। इसके लिए विद्यार्थी के पुस्तकीय ज्ञान को ही न परखा जाए बल्कि उसके अनुभव व अन्य कार्य कुशलता को भी देखकर उसे प्रोत्साहन देने के लिए शिक्षा व्यवस्था में बदलाव किया जा सकता है। ऐसे बच्चों के लिए वैकल्पिक शिक्षा की व्यवस्था की जानी चाहिए। शिक्षकों को इस तरह के बच्चों को समझने के लिए उचित मनोवैज्ञानिक प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए तथा परिवार वालों को उसकी भरपूर मदद करनी चाहिए न कि उसे कमजोर कहकर उसपर व्यंग कसने चाहिए।

## खण्ड घ

प्र. 14. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : 5

(क) पुस्तकें पढ़ने की आदत

- पढ़ने की घटती प्रवृति
- कारण और हानि
- पढ़ने की आदत से लाभ

पुस्तकें मनुष्य की सबसे अच्छी मित्र होती है। आत्म उन्नति करनी है तो पुस्तक से बढ़कर कोई सहायक नहीं है। अभी कुछ वर्षों तक पत्र-पत्रिकाएँ पढ़ने के लिए अनूमन सभी समय निकाल ही लेते थे परन्तु हाल के कुछ वर्षों में लोगों की पढ़ने की आदत तकनीकी विकास के कारण कम होती जा रही है। बच्चों में भी पढ़ाई का बोझ कुछ ज्यादा ही बढ़ गया है। प्रतिस्पर्धा के इस युग में सभी आगे ही बढ़ना चाहते है इसलिए भी अब हल्की-फुल्की पुस्तकें लोग पढ़ना नहीं चाहते हैं। महानगरीय व्यस्तता भी इसका एक कारण है लोग इतना लंबा सफ़र कर घर पहुँचते हैं कि चाहकर भी वे अपनी पसंदीदा पुस्तक नहीं पढ़ पाते। परंतु पुस्तक पढ़ने से न केवल हमारे दिमाग का अभ्यास होता है बल्कि पुस्तकें हमारे तनाव को भी कम करती है। पढ़ने से मन को सुकून मिलता है फलस्वरूप नींद भी अच्छी आती है। पढ़ने से व्यक्ति की याददाश्त भी बढ़ती है। पुस्तकें ही मनुष्य के ज्ञान के साथ चरित्र -निर्माण में अहम् भूमिका निभाती है।

(ख) कम्पूटर हमारा मित्र

- क्या है
- विद्यार्थियों के लिए उपयोग
- सुझाव

आज के युग को विज्ञान का युग कहा जाता है। किसी देश का विकास उसके वैज्ञानिक, औद्योगिक व तकनीकी प्रगति पर निर्भर करता है। कंप्यूटर छात्रों को विषयों के शिक्षण का सबसे अच्छा तरीका है। इन दिनों, सभी स्कूलों और कॉलेजों में कंप्यूटर लैब है जहाँ वे अपने शिक्षकों से व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करके अपनी शिक्षा में उसका उपयोग करते हैं।

कंप्यूटर से विद्यार्थी अपने पाठ्यक्रम की जानकारी तो पा ही सकते उसके अलावा उनकी रूचि के अनुसार विषयों की भी जानकारी चुटकियों में पा सकते हैं। आज कल इंटरनेट का चलन इतना बढ़ गया है कि एक विद्यार्थी देश के ही

शिक्षा संस्थान ही नहीं बल्कि विदेशी शिक्षा संस्थान में बिना प्रवेश लिए ऑनलाइन पढ़ सकता है, शिक्षकों से संवाद स्थापित कर सकता है,अपनी पढ़ाई या अन्य किसी विषय से संबंधित समस्या का समाधान कर सकता है और अपना विकास कर सकता है। परंतु विद्यार्थियों को इसका अधिक उपयोग भी नहीं करना चाहिए क्योंकि ये उनमें आलस्य भी निर्माण कर सकता है इसके अत्यधिक प्रयोग से दिमागी क्षमता कम भी हो सकती है हम हर कार्य को करने के किये अपने दिमाग या ज्ञान का उपयोग कर इस पर निर्भर हो जाते है। इसलिए अति किसी भी चीज की अच्छी नहीं होती।

(ग) स्वास्थ की रक्षा

- आवश्यकता
- पोषक भोजन
- लाभकारी सुझाव

स्वास्थ्य मानव का अमूल्य धन है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। शरीर को चुस्त, फुर्तीला और स्वस्थ रखने के लिए व्यायाम आवश्यक है। मनुष्य के जीवन में आरंभ से ही व्यायाम का महत्त्व रहा है। व्यायाम से जहाँ स्वास्थ्य बढ़ता है, वहीं शारीरिक सुंदरता भी बढ़ती है। मनुष्य को चाहिए कि वह नियमित रूप से व्यायाम करे। ऐसा करने से शरीर में रक्त-संचार सही रहता है, स्फूर्ति तथा उत्साह भी बढ़ता है। इसके साथ ही मनुष्य को अपने आहार,खान-पान में भी ध्यान रखना चाहिए। उसे चाहिए कि वह रोज संतुलित भोजन करे। उसके आहार में सभी पोषक तत्व हो। भोजन में यदि पोषक तत्व न होगें तो हमारा शारीरिक और मानसिक विकास बाधित होता है। वैसे भी कहा जाता है जैसा हम भोजन करते हैं हम वैसा बनते हैं। इसलिए प्रत्येक मनुष्य को खान-पान और आहार के साथ नियमित व्यायाम करते हुए अपने स्वास्थ्य की और ध्यान देना चाहिए।

प्र. 15. विद्यालय में छुट्टी के दिनों में भी प्रात:काल में योग की अभ्यास कक्षाएँ चलने की सूचना देते हुए इच्छुक विद्यार्थियों द्वारा अपना नाम देने हेतु सूचना-पट्ट के लिए एक सूचना लगभग 30 शब्दों में लिखिए। 5

बाल भारती स्कूल

सूचना

छुट्टियों में विद्यालय द्वारा प्रातः 8 से 9 योग अभ्यास की कक्षाएँ चलाई जाएगी।

इच्छुक विद्यार्थियों से निवेदन हैं कि वह 5 दिनों के अंदर अपना नाम सचिव को दे।

अमर

(सचिव)

प्र. 16. विद्यालय के गेट पर मध्यावकाश के समय ठेले और रेहड़ी वालों द्वारा जंक फूड बेचे जाने की शिकायत करते हुए प्रधानाचार्य को पत्र लिखकर उन्हें रोकने का अनुरोध कीजिए। 5

सेवा में,

प्रधानाचार्य

आदर्श शिशु विहार

जयपुर

दिनाँक मार्च 10 : 2017

विषय : विद्यालय के गेट पर ठेले और रेहड़ी वालों द्वारा जंक फ़ूड बेचने संबंधित शिकायत पत्र।

महोदय

askIITians

मैं विद्यालय का हेड बॉय होने के कारण आपका ध्यान एक महत्त्वपूर्ण समस्या की ओर लेजाना चाहता हूँ। मध्यावकाश में हमारे विद्यालय के गेट पर ठेले और रेहड़ी वालों द्वारा जंक फ़ूड बेचा जाता है जोकि विद्यार्थियों की सेहत के लिए हानिकारक है।

अत: आपसे निवेदन है कि आप इस समस्या की ओर ध्यान देकर अति शीघ्र इसे सुलझाने का प्रयास करेंगे।

आपका आज्ञाकारी छात्र

सौरभ गुप्ता

हेड बॉय

कक्षा - दसवीं 'अ'

प्र. 17. ओलंपिक खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन के बारे में अपने मित्र से हुए संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए। 5

रवि : कैसे हो, कार्तिक ?

कार्तिक : मैं ठीक हूँ तुम बताओ कैसे हो और पढ़ाई कैसी चल रही है ?

रवि : मैं ठीक हूँ। पढ़ाई भी अच्छी चल रही है। और बताओ ओलम्पिक खेलों में भारत के प्रदर्शन के बारे में जानते हो या नहीं ?

कार्तिक : ओलम्पिक खेलों में भारत का प्रदर्शन !

रवि : ओलम्पिक खेल वर्तमान की प्रतियोगिताओं में अग्रणी खेल प्रतियोगिता है जिसमे हज़ारों एथेलीट कई प्रकार के खेलों में भाग लेते हैं।

कार्तिक : अच्छा और ...

रवि : रियो ओलंपिक 2016 - 16 दिन तक चले खेलों के सबसे बड़े महाकुंभ में अमरीका ने 46 गोल्ड मेडलों के साथ कुल 121 पदक जीत कर अपना दबदबा कायम रखा। वहीं ग्रेट ब्रिटेन दूसरे और चीन तीसरे स्थान पर रहा। भारत ने दो मेडल जीते। यह मैडल हमारे देश की दो लड़कियों, साक्षी मलिक और पीवी सिंधु ने जीता।

कार्तिक : अरे वाह !

रवि : हाँ, ब्राजील के रियो में 5 अगस्त से शुरू हुए ओलंपिक खेलों की क्लोजिंग सेरेमनी 31 अगस्त को मारकाना स्टेडियम में हुई। अब अगला ओलंपिक 2020 में टोक्यो में होगा।

कार्तिक : यह तो तुमने बहुत बढ़ियाँ जानकारी दी।

रवि : पढाई के साथ-साथ हमारा सामान्य ज्ञान भी अच्छा होना चाहिए।

प्र. 18. विद्यालय के 'रंगायन' द्वारा प्रस्तुत नाटक के बारे में नाम, पात्र, दिन, समय, टिकट-दर आदि की सूचना देते हुए एक विज्ञापन का आलेख लगभग 25 शब्दों में लिखिए। 5

नाटक नाटक नाटक .....
मोर्डन विद्यालय 'रंगायन' विभाग द्वारा पर्यावरणीय जागरूकता पर नाटक
पात्र : विद्यालय के विद्यार्थी
दिन : शनिवार, 15 मार्च 2017
समय : सुबह 10 से 11
टिकट-दर : मात्र 50 रु/-
आइए और हमारी भावी पीढ़ी को प्रोत्साहन दीजिए ...
आज ही बुकिंग करें।